International Journal of Applied Research 2015; 1(12): 165-169

ISSN Print: 2394-7500
ISSN Online: 2394-5869
Impact Factor: 5.2
IJAR 2015; 1(12): 165-169
www.allresearchjournal.com
Received: 05-09-2015
Accepted: 07-10-2015

राजेश कुमार
शोधार्थी, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़।

डॉ नरेंद्र त्रिपाठी
विभागाध्यक्ष एवं शोध निदेशक
कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़।

Correspondence
राजेश कुमार
शोधार्थी, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़।

छत्तीसगढ़ के क्षेत्रीय टेलीविजन चैनल पर प्रसारित होने वाले अपराध समाचारों का विश्लेषणात्मक अध्ययन

राजेश कुमार, *डॉ नरेंद्र त्रिपाठी*

शोध सार
अपराध के प्रति आम इंसान का रुझान उतना ही पुराना है, जितना मानव इतिहास। अगर भारतीय ऐतिहासिक ग्रंथों को देखें तो वहां भी अपराध का वर्णन बहुतायत में दिखाई देते देता है। कला, साहित्य, संस्कृति में अपराध तब भी झलकता था जब प्रिंटिग प्रेस का अविष्कार भी नहीं हुआ था। वक्त बदला। अखबारों के पेज नंबर तीन में सिमटा दिखने वाला अपराध 24 घंटे की टीवी की दुनिया में सर्वोपरि न्यूज के रुप में दिखाई लगा। आज स्थिति यह है कि तकरीबन हर न्यूज चैनल में अपराध पर विशेष कार्यक्रम किए जा रहे हैं।
प्रस्तुत शोध पत्र में छत्तीसगढ़ के क्षेत्रीय टेलीविजन चैनलों द्वारा प्रसारित अपराध समाचारों का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया है। इसके लिए तीन समाचार चैनल- आईबीसी 24, ईटीवी मध्यप्रदेश छत्तसीगढ़ और रायपुर दूरदर्शन का चयन कर, शाम सात बजे से रात 11 बजे तक प्रसारित होने वाले समाचार बुलेटिनों को रिकॉर्ड कर, सेंसेक्स विधि से हर प्रकार के समाचारों का वर्गीकरण किया गया। फिर उनमें अपराध समाचारों को चिन्हित कर प्राथमिक तथ्यों का संकलन किया गया। इस अवधि में प्रसारित होने वाले चर्चा, फीचर, धार्मिक, कला, सांस्कृतिक वाले प्रोग्राम बुलेटिन को अध्ययन में शामिल नहीं किया गया है।
शोध हेतु संकलित प्राथमिक तथ्यों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि निजी चैनलों की तुलना में दूरदर्शन द्वारा अपराध समाचारों का प्रसारण कम किया जाता है। निजी समाचार चैनल हिंसात्मक प्रकार के अपराध समाचारों को विशेष तौर पर प्रसारित करते हैं, जबकि दूरदर्शन चैनल ऐसा नहीं करता। चयनित चैनल आईबीसी 24 द्वारा प्रसारित अपराध समाचारों में 38 प्रतिशत समाचार अपराध समचार के होते हैं। चैनल द्वारा 27 प्रतिशत से लेकर 42 प्रतिशत समाचार अपराध समाचार के प्रसारित किए गए हैं। ईटीवी मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ समाचार चैनल अपराध समचारों को प्रसारित करने में सबसे उपर है। इस चैनल द्वारा 37 से 52 प्रतिशत समाचार, अपराध समाचार के प्रसारित किए गए। ये आंकड़ा चौंकाने वाला है। चैनल पर प्रसारित समाचारों में आधे से ज्यादा समाचार अपराध समाचार के मिले। औसतन, इस चैनल पर प्रसारित होने वाले समाचारों में 42 प्रतिशत समाचार अपराध समाचार के होते हैं. रायपुर दूरदर्शन पर सबसे कम, 11 से 32 प्रतिशत अपराध समाचार प्रसारित होता है।
अपराध समाचारों के विश्लेषण से यह भी स्पष्ट हुआ कि आईबीसी 24 स्पष्ट रुप से नक्सली घटनाओं को प्रमुखता के साथ प्रसारित करता है। इस चैनल पर करीब 19 फीसदी अपराध समाचार सिर्फ नक्सल घटनाओं से संबंधित होते हैं। इसके बाद भ्रष्टाचार, हत्या और हादसा से संबंधित समाचारों का स्थान आता है। रायपुर दूरदर्शन द्वारा भी नक्सली घटनाओं को प्रमुखता से प्रसारित किया जाता है। चैनल पर 40 फीसदी अपराध समाचार, नक्सली घटनाओं से संबंधित ही होते हैं। इसके बाद भ्रष्टाचार, हादसा और धोखाधड़ी जैसे समाचारों का स्थान आता है। एक स्पष्ट तथ्य ये भी प्राप्त हुआ कि रायपुर दूरदर्शन द्वारा हत्या, बलात्कार, देहव्यापार जैसे समाचारों का प्रसारण नहीं किया गया है। ईटीवी मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ चैनल पर सबसे ज्यादा प्रकार के अपराध समाचारों का प्रसारण देखने को मिला। लेकिन चैनल किसी एक विशेष प्रकार के अपराध समाचार को प्रमुखता से दिखाता नजर नहीं आता। हर महीने अलग-अलग समाचारों को प्रमुखता मिली है। लेकिन शीर्ष 10 अपराध समाचारों में हत्या, बलात्कार, आत्महत्या, हादसा, भ्रष्टाचार, नक्सली घटनाएं, धोखाधड़ी, रिश्वतखोरी, आतंकवाद जैसे अपराध समाचारों की प्रमुख्ता स्पष्ट नजर आती है। अब तक हुए अनेक शोध इस ओर इशारा करते हैं कि अपराध समाचारों का बच्चों और महिलाओं पर असर पड़ता है।अत समाचार चैनलों को हिंसात्मक और उद्दीप्त करने वाले समाचारों के प्रसारण पर नियंत्रण रखना चाहिए, ताकि समाज में लोगों पर विपरित असर ना पड़े।

कुंजी शब्द- अपराध, अपराध समाचार, समाचार बुलेटिन, क्षेत्रीय समाचार चैनल

प्रस्तावना
मीडिया में अपराध और न्याय संबंधित समाचारों का प्रकाशन उतना ही पुराना है, जितना प्रिंटिंग का विकास (सरेट्टे, 1998: 53)। पुराने वक्त में समाचार पत्रों में प्रमुख रुप से अपराध और अपराधियों से संबंधित समाचार ही प्रकाशित होते थे। जब रेडियो, समाचार के प्रमुख स्रोत बनकर उभरा, तब भी यहीं सच्चाई देखने को मिलती थी। आज लाखों, करोड़ों लोग नियमित रुप से प्रतिदिन टेलीविजन चैनल देखते हैं, और इन चैनलों पर नियमित रुप से अपराध समाचार प्रसारित भी होते हैं। (बेले एवं हेले, 1998, बराक, 1994, ग्रैबर 1980, कार्ट्ज 1986, सर्रेटे, 1998, वार्र 1995)। 1990 में गर्बनर और 1978 में डोमिनिक ने अपने अध्ययन में पाया कि अपराध समाचार, टेलीविजन पर प्रसारित होने वाले विषयों में समाचारों सबसे प्रमुख विषयों में से एक है।

टेलीविजन चैनलों पर जितनी देर तक समाचारों का प्रसारण होता है, उनमें 10 से 20 प्रतिशत समय अवधि अपराध समाचारों का है। 1998 में जॉनसन ने अमेरिका के शिकागों में एक अध्ययन किया, जिसमें पाया गया कि स्थानीय चैनल अपने गैर व्यायवसायिक समय अवधि का 15 से 17 प्रतिशत समय अपराध समाचारों को देते हैं। शिकागों के स्थानीय टेलीविजन चैनलों पर सबसे ज्यादा प्रसारित होने वाले समाचार अपराध समाचार ही हैं।

हमारे देश में भी, मीडिया में अपराध समाचारों की प्रमुखता स्पष्ट दिखती है। प्रमुख राष्ट्रीय समाचार पत्रों में मुख्य पेज पर अपराध समाचार प्रमुखता से प्रकाशित दिख जाते हैं। टेलीविजन चैनलों पर अपराध समाचार तो कुछ विशेष तवज्जों के साथ प्रसारित किए जाते हैं। एनडीटीवी सरीखे बिरले समाचार चैनल हैं, जो अपराध समाचारों को प्रमुखता से दिखाने को लोभ संवार पाते हों। अमूमन हर राष्ट्रीय समाचार चैनल में अपराध समाचारों को कवर करने के लिए अलग से संवाददाता हैं। सामान्य समाचार बुलेटिन के अलावा, अपराध आधारित विशेष समाचार बुलेटिन (आजतक- वारदात, एबीवीपी-सनसनी, इंडिया टीवी- एसीपी अर्जुन आदि) भी प्रसारित किए जाते हैं। इन बुलेटिन को प्रस्तुत करने वाले एंकर आमतौर पर सामान्य समाचार बुलेटिनों के एंकर से अलग होते हैं। और समाचार प्रस्तुत करने की इनकी शैली भी भिन्न होती है।

छत्तीसगढ़ के क्षेत्रीय टेलीविजन चैनलों में भी अपराध समाचारों को प्रमुखता से दिखाया जाना प्रतीत होता है। सामान्य समाचार बुलेटिनों में अपराध समाचार तो दिखाए जाते ही हैं, अमूमन हर प्रादेशिक न्यूज चैनल अलग से अपराध समाचार आधारित विशेष कार्यक्रम भी प्रसारित करता है। हालांकि, अब तक कोई ऐसा अध्ययन नहीं हुआ है, जो इस बात को सिद्ध करता हो। प्रस्तुत शोध कार्य इस दिशा में पहला अध्ययन है।

अध्ययन की सामग्री एवं प्रविधियां

विषय से संबंधित सामग्री के संकलन के लिए छत्तीसगढ़ के क्षेत्रीय समाचार चैनलों में से तीन समाचार चैनल- ईटीवी मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़, आईबीसी 24 और रायपुर दूरदर्शन केंद्र- का चयन किया गया है। इनका चयन इनके महत्व को देखते हुए किया गया है। ईटीवी मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ समाचार चैनल, छत्तीसगढ़ के सबसे पहला सैटेलाइटन क्षेत्रीय चैनल माना जाता है। 2001 में इसकी शुरूआत हुई। तब ये इंफोटेनमेंट चैनल हुआ करता था। वर्तमाम का आईबीसी 24 समाचार चैनल 2008 में जी 24 घंटे छत्तीसगढ़ नाम से शुरू हुआ। सिर्फ छत्तीसगढ़ के समाचारों को प्रसारित करने वाला ये पहला सैटेलाइट न्यूज चैनल बना। बाकि सभी चैनलों से ज्यादा संसाधन और संवाददाताओं के नेटवर्क के साथ बहुत जल्द प्रदेश का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला समाचार चैनल बना। मार्च 2013 में इसका नाम बदल कर आईबीसी 24 हो गया। कुछ दिनों बाद ही, ये चैनल भी मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ की खबरों को कवर करने वाला बन गया। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में दूरदर्शन का रायपुर केंद्र भी स्थापित है। हर दिन शाम 6 बजे से सवा 6 बजे तक छत्तीसगढ़ के समाचारों का प्रसारण होता है। प्रदेश के दूर-दराज गांवों में दशकों पहले पैठ बना चुके इस चैनल का भी अपना अलग और खास महत्व है।

शोध कार्य के लिए समंकों का संकलन मार्च 2013 से मई 2013 के दौरान तीनों चैनलों द्वारा प्रसारित समाचारों बुलेटिन को रिकॉर्ड कर किया गया है। अल्टरनेट क्रम में शाम सात बजे से रात 11 बजे की अवधि के दौरान प्रसारित होने वाले समाचार बुलेटिनों को रिकार्ड किया गया है। प्रत्येक दिन, अलग अलग चैनलों को समय दिया गया। उदाहरण स्वरुप 1 मार्च को जी 24 घंटे छत्तीसगढ़ (वर्तमान में आईबीसी 24) द्वारा शाम सात बजे से रात 11 बजे तक प्रसारित होने वाले सभी समाचार बुलेटिन को रिकार्ड किया गया। अगले दिन, इसी अवधि के लिए ईटीवी मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ पर प्रसारित समाचार बुलेटिन को रिकार्ड किया गया। 3 मार्च का दिन दूरदर्शन के रायपुर केंद्र के नाम रहा। चुंकि, रायपुर दूरदर्शन केंद्र द्वारा शाम 6 बजे से सवा 6 बजे तक ही समाचार प्रसारित किए गए, इसलिए इस चैनल के लिए हमने 15 मिनट की बुलेटिन रिकार्ड की। फिर 4 मार्च को जी 24 घंटे छत्तीसगढ़, 5 मार्च को ईटीवी मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ और 6 मार्च को रायपुर दूरदर्शन केंद्र. और इसी अल्टरनेट क्रम में 31 मई तक तीनों समाचार चैनलों की रिकार्डिंग की जाती रही। इस तरह, हर समाचार चैनल, हर तीसरे दिन रिकॉर्ड होता रहा। समाचारों के विश्लेषण के दौरान, परिचर्चा या विशेष कार्यक्रमों को हटा दिया गया है। सिर्फ समाचार बुलेटिनों का ही विश्लेषण किया गया है।

प्राथमिक तथ्यों का संकलन

विश्लेषणात्मक रिसर्च डिजाइन तैयार कर प्राथमिक तथ्यों का संकलन किया गया है। संपूर्ण शोध कार्य में उद्देश्यपूर्ण निदर्शन पद्धति का उपयोग किया गया है। और सेंसेक्स विधि का उपयोग करते हुए रिकार्ड किए गए समाचार बुलेटिन का विश्लेषण किया गया है। शोध कार्य प्राथमिक तथ्यों के संकलन और विश्लेषण पर आधारित है।

अध्ययन की सीमाएं

क्षेत्रीय टेलीविजन चैनलों पर प्रसारित अपराध समाचारों के विश्लेषणात्मक अध्ययन के दौरान कुछ सीमाओं का ध्यान रखना आवश्यक था।

1. यह शोध कार्य छत्तीसगढ़ के दर्जनभर से ज्यादा क्षेत्रीय समाचार चैनलों में से तीन समाचार चैनल- आईबीसी 24 (शोध अवधि के दौरान यह चैनल जी 24 घंटे छत्तीसगढ़ नाम से प्रसारित होता था।), ईटीवी मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ और रायपुर दूरदर्शन केंद्र, पर प्रसारित अपराध समाचारों पर आधारित है।
2. समंकों के संकलन के लिए शाम 7 बजे से रात 11 बजे तक के सभी कार्यक्रमों को रिकॉर्ड किया गया है। किंतु, इनमें से अपराध, राजनीति, सांस्कृतिक, धार्मिक आधारित विशेष कार्यक्रमों को अलग कर दिया गया है। प्राथमिक तथ्यों का संकलन सिर्फ समाचार बुलेटिनों के विश्लेषण से ही किया गया है।
3. अध्ययन अवधि के दौरान 25 मई को छत्तीसगढ़ में झीरम नक्सली हमले की वारदात हुई थी। ये घटना देश में सबसे बड़े नक्सली हमले के रुप में सामने आया। घटना बहुत बड़ी थी, और इसका बहुत बड़ा प्रभाव प्रादेशिक समाचार चैनलों पर पड़ा। प्रस्तुत शोध कार्य उस प्रभाव से प्रभावित होता और शोध कार्य का उद्देश्य प्रभावित होता, इसलिए अध्ययन अवधि के दौरान 25 मई से 31 मई तक के प्राप्त समंकों को, इस शोध कार्य से अलग कर दिया गया है।

परिणाम एवं व्याख्या

विषय से संबंधित आंकड़ों के संकलन के पश्चात इस तरह के निष्कर्ष प्राप्त होते हैं।

तालिका क्रमांक 1: जी 24 घंटे छत्तीसगढ़ (आईबीसी 24) द्वारा प्रसारित समाचार एवं उनमें अपराध समाचारों का विवरण

महीना	अपराध समाचार	गैर अपराध समाचार	कुल समाचार
मार्च 2013	191 (27%)	522 (73%)	713 (100%)
अप्रैल 2013	216 (36%)	393 (64%)	609(100%)
मई 2013	242 (42%)	336 (58%)	578 (100%)

आईबीसी 24 द्वारा प्रसारित समाचार बुलेटिनों के विश्लेषण से स्पष्ट है कि इस चैनल द्वारा सामान्य समाचार बुलेटिनों में 27 प्रतिशत से लेकर 42 प्रतिशत समाचार अपराध समाचार के दिखाए जाते हैं। अर्थात, औसत रुप से 38 प्रतिशत समाचार अपराध समाचारों के होते हैं।

तालिका क्रमांक 2: ईटीवी मध्यप्रदेश छत्तीसगढ द्वारा प्रसारित समाचार एवं उनमें अपराध समाचारों का विवरण।

महीना	अपराध समाचार	गैर अपराध समाचार	कुल समाचार
मार्च 2013	199 (37%)	340 (63%)	539 (100%)
अप्रैल 2013	262 (42%)	366 (58%)	588 (100%)
मई 2013	222 (52%)	207 (48%)	429 (100%)

ईटीवी मध्यप्रदेश द्वारा अपराध समाचार अपेक्षाकृत रुप से ज्यादा दिखाए जाते हैं। उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है कि समाचार चैनल द्वारा समाचार बुलेटिनों में 37 प्रतिशत से 52 प्रतिशत अपराध समाचार प्रसारित किए जाते हैं। अर्थात, औसतन 44 प्रतिशत समाचार अपराध समाचार के होते हैं।

तालिका क्रमांक 3: रायपुर दूरदर्शन केंद्र द्वारा प्रसारित समाचार एवं उनमें अपराध समाचारों का विवरण।

महीना	अपराध समाचार	गैर अपराध समाचार	कुल समाचार
मार्च 2013	13 (20%)	54 (80%)	67 (100%)
अप्रैल 2013	26 (31%)	59 (69%)	85 (100%)
मई 2013	5 (11%)	40 (89%)	45 (100%)

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है कि रायपुर दूरदर्शन केंद्र द्वारा अपराध समाचार, उपरोक्त दोनों निजी समाचार चैनलों की तुलना में काफी कम दिखाया जाता है। रायपुर दूरदर्शन केंद्र द्वारा प्रसारित होने वाले समाचारों में महज 11 से 31 प्रतिशत समाचार ही अपराध समाचार के होते हैं। यानि, इस चैनल द्वारा औसतन 20 प्रतिशत अपराध समाचार प्रसारित किए जाते हैं।

तालिका क्रमांक 4: आईबीसी 24 द्वारा प्रसारित अपराध समाचारों का विवरण

मार्च	संख्या	प्रतिशत	अप्रैल	संख्या	प्रतिशत	मई	संख्या	प्रतिशत
नक्सली घटना	37	19.37	नक्सली घ`टना	41	18.98	नक्सली घटना	48	19.83
आतंकवाद	25	13.09	धोखाधड़ी	22	10.19	भ्रष्टाचार	36	14.88
भ्रष्टाचार	23	12.04	हत्या	20	9.259	हादसा	27	11.16
हत्या	17	8.901	भ्रष्टाचार	19	8.796	हत्या	24	9.917
आत्महत्या	16	8.377	हादसा	18	8.333	बलात्कार	16	6.612
हादसा	9	4.712	आतंकवाद	16	7.407	आतंकवाद	10	4.132
बलात्कार	8	4.188	बलात्कार	10	4.63	धोखाधड़ी	10	4.132
धोखाधड़ी	7	3.665	दंगा	7	3.241	अपहरण	7	2.893
विविध	7	3.665	आगजनी	6	2.778	विविध	6	2.479
अपहरण	5	2.618	गैर इरादतन हत्या	6	2.778	आगजनी	5	2.066
कैद से फरार	4	2.094	हमला	6	2.778	आत्महत्या	4	1.653
आगजनी	3	1.571	छापा	5	2.315	गैर इरादतन हत्या	4	1.653
लूट	3	1.571	एनडीपीएस	3	1.389	घुसपैठ	4	1.653
एनडीपीएस	2	1.047	छेड़ाछाड़	3	1.389	जानलेवा हमला	4	1.653
गैर इरादतन हत्या	2	1.047	जानलेवा हमला	3	1.389	मारपीट	4	1.653
जिस्मफरोशी	2	1.047	देशद्रोह	3	1.389	हमला	4	1.653
टोनही	2	1.047	युद्धबंदी	3	1.389	मानव तस्करी	3	1.24
तेजाब हमला	2	1.047	विविध	3	1.389	मैच फिक्सिंग	3	1.24
मर्ग	2	1.047	हत्या की कोशिश	3	1.389	अंधविश्वास	2	0.826
साइबर क्राइम	2	1.047	आत्महत्या	2	0.926	कैद से फरार	2	0.826
अंधविश्वास	1	0.524	कब्जा	2	0.926	चोरी	2	0.826
आत्महत्या कोशिश	1	0.524	घुसपैठ	2	0.926	दंगा	2	0.826
घुसपैठ	1	0.524	युद्ध	2	0.926	प्रताड़ना	2	0.826
घोटाला	1	0.524	घोटाला	1	0.463	बाल अपराध	2	0.826
चोरी	1	0.524	तोड़फोड़	1	0.463	मर्ग	2	0.826
छापा	1	0.524	नकली नोट	1	0.463	बहिष्कार	2	0.826
छेड़ाछाड़	1	0.524	नरबली	1	0.463	एनडीपीएस	1	0.413
जानलेवा हमला	1	0.524	प्रदर्शन	1	0.463	कब्जा	1	0.413
तोड़फोड़	1	0.524	बलवा	1	0.463	छापा	1	0.413
दंगा	1	0.524	मारपीट	1	0.463	मिलावट	1	0.413
नकली नोट	1	0.524	रिश्वतखोरी	1	0.463	रिश्वतखोरी	1	0.413
बदसलूकी	1	0.524	लूट	1	0.463	साइबर क्राइम	1	0.413
युद्ध	1	0.524	सट्टा	1	0.463	हंगामा	1	0.413
			साइबर क्राइम	1	0.463			

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है कि आईबीसी 24 द्वारा अपराध समाचारों में सर्वाधिक महत्व नक्सल संबंधी घटनाओं को दिया जाता है। मार्च, अप्रैल और मई तीनों महीनों में प्रसारित सभी अपराध समाचारों में नक्सल घटनाएं सर्वोपरि रही। आंकडों से स्पष्ट है कि आईबीसी 24 द्वारा प्रसारित किए जाने वाले अपराध समाचारों करीब 19 प्रतिशत समाचार नक्सल घटनाओं के होते हैं। इसके बाद, सर्वाधिक प्रमुखता से दिखाए जाने वाले अपराध समाचारों में भ्रष्टाचार, आतंकवाद, हत्या, बलात्कार, हादसा, धोखाधड़ी जैसे समाचार शामिल होते हैं। नक्सली घटना के बाद 11.87 प्रतिशत समाचार भ्रष्टाचार के दिखाए जाते हैं। इसके बाद हत्या के समाचार होते हैं। औसतन 9.35 प्रतिशत अपराध समाचार हत्या के होते हैं। जबिक 8 फीसदी अपराध समाचारों में हादसों से संबंधित समाचार होते हैं।

तालिका से यह भी स्पष्ट है कि चैनल द्वारा हर महीने करीब 32 प्रकार के अपराध समाचार प्रसारित किए जाते हैं। इनमें से 60-65 फीसदी अपराध समाचार इन्हीं छह से सात प्रकार के समाचारों के होते हैं। शेष 35 से 40 फीसदी समाचारों में 25 प्रकार के समाचार आते हैं।

तालिका क्रमांक 5: ईटीवी मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ द्वारा प्रसारित अपराध समाचारों का विवरण

मार्च	संख्या	प्रतिशत	अप्रैल	संख्या	प्रतिशत	मई	संख्या	प्रतिशत
हत्या	26	13.07	बलात्कार	42	16.03	नक्सली घटना	27	12.162
बलात्कार	19	9.548	हादसा	29	11.07	बलात्कार	25	11.261
भ्रष्टाचार	17	8.543	हत्या	27	10.31	विविध	24	10.811
नक्सली घटना	12	6.03	प्रदर्शन	17	6.489	धोखाधड़ी	17	7.6577
आतंकवाद	9	4.523	धोखाधड़ी	14	5.344	भ्रष्टाचार	17	7.6577
रिश्वतखोरी	9	4.523	आत्महत्या	12	4.58	मारपीट	9	4.0541
विविध	9	4.523	नक्सली घटना	12	4.58	हादसा	9	4.0541
हादसा	9	4.523	मारपीट	11	4.198	हत्या	8	3.6036
आत्महत्या	7	3.518	भ्रष्टाचार	10	3.817	आत्महत्या	7	3.1532
अपहरण	6	3.015	विविध	10	3.817	रिश्वतखोरी	7	3.1532
प्रदर्शन	6	3.015	गैर इरादतन हत्या	7	2.672	प्रदर्शनु	6	2.7027
युद्ध	6	3.015	अपहरण	6	2.29	मर्ग	6	2.7027
एनडीपीएस	5	2.513	आर्म्स एक्ट	6	2.29	आतंकवाद	5	2.2523
मारपीट	5	2.513	जुआ	6	2.29	छेड़ाछाड़	5	2.2523
चोरी	4	2.01	धमकी	5	1.908	आगजनी	4	1.8018
जिस्मफरोशी	4	2.01	मानहानि	4	1.527	आबकारी	3	1.3514
प्रताड़ना	4	2.01	हमला	4	1.527	चोरी	3	1.3514
बाल विरुद्ध अपराध	4	2.01	आतंकवाद	3	1.145	जानलेवा हमला	3	1.3514
तेजाब हमला	3	1.508	एनडीपीएस	3	1.145	डकैती	3	1.3514
हमला	3	1.508	चोरी	3	1.145	धमकी	3	1.3514
आर्म्स एक्ट	2	1.005	नकल	3	1.145	बाल विरुद्ध अपराध	3	1.3514
कब्जा	2	1.005	अंधविश्वास	2	0.763	मैच फिक्सिंग	3	1.3514
कैद से फरार	2	1.005	छेड़ाछाड़	2	0.763	हमला	3	1.3514
गैर इरादतन हत्या	2	1.005	प्रताड़ना	2	0.763	कब्जा	2	0.9009
छेड़ाछाड़	2	1.005	मानव तस्करी	2	0.763	छापा	2	0.9009
धोखाधड़ी	2	1.005	मिलावट	2	0.763	जुआ	2	0.9009
बदसलूकी	2	1.005	रिश्वतखोरी	2	0.763	बलवा	2	0.9009
लूट	2	1.005	विस्फोट	2	0.763	मिलावट	2	0.9009
साइबर क्राइम	2	1.005	सट्टा	2	0.763	साइबर क्राइम	2	0.9009
अंधविश्वास	1	0.503	साइबर क्राइम	2	0.763	अपहरण	1	0.4505
आगजनी	1	0.503	घोटाला	1	0.382	एनडीपीएस	1	0.4505
छापा	1	0.503	छुआछूत	1	0.382	कैद से फरार	1	0.4505
छुआछूत	1	0.503	जानलेवा हमला	1	0.382	दहेज प्रताड़ना	1	0.4505
जानलेवा हमला	1	0.503	डकैती	1	0.382	प्रताड़ना	1	0.4505
तोड़फोड़	1	0.503	तेजाब हमला	1	0.382	मानहानि	1	0.4505
बलवा	1	0.503	तोड़फोड़	1	0.382	युद्ध	1	0.4505
ब्लैकमेल	1	0.503	बलवा	1	0.382	लापता	1	0.4505
मर्ग	1	0.503	ब्लैकमेल	1	0.382	लूट	1	0.4505
मिलावट	1	0.503	लापता	1	0.382	वसूली	1	0.4505
रुढिवादिता	1	0.503	वन प्राणी तस्कर	1	0.382			
लापता	1	0.503						
वन प्राणी तस्कर	1	0.503						
वसूली	1	0.503						

उपरोक्त तालिका से ईटीवी मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ द्वारा प्रसारित होने वाले अपराध समाचारों की प्रकृति स्पष्ट होती है। आईबीसी 24 की तरह, इस चैनल पर किसी एक विशेष प्रकार के अपराध समाचारों का प्रमुखता से दिखाया जाना प्रतीत नहीं होता है। संभवत यह चैनल घटना परक खबरों को प्रमुखता से प्रसारित करता है। गंभीर घटनाओं को प्रमुखता दी जाती है।

सारणी से स्पष्ट है कि मार्च महीने में क्रमश हत्या (13.7%), बलात्कार (9.54%), भ्रष्टाचार (8.54%), नक्सली घटनाएँ (6.03%), आतंकवाद (4.52%), रिश्वतखोरी (4.52%), हादसा (4.52%) जैसे अपराध समाचारों को प्रमुखता से दिखाया गया है। अप्रैल महीने में क्रमश बलात्कार (16.03%), हादसा (11.07%), हत्य (10.31%), प्रदर्शन (6.49%), धोखाधड़ी (5.34%), अत्महत्या (4.58%), नक्सली घटनाओं (4.58%) को प्रमुखता दी गई। जबकि मई महीने में क्रमश नक्सली

घटनाएं(12.16%), धोखाधड़ी (7.65%), भ्रष्टाचार (7.65%), मारपीट (4.05%), हादसा (4.05%) और हत्या (3.60%) जैसे समाचारों को प्रमुखता दी गई।

तालिका क्रमांक 6: दूरदर्शन केंद्र रायपुर द्वारा प्रसारित अपराध समाचारों का विवरण। (मार्च, अप्रैल एवं मई 2013)

समाचार	संख्या	प्रतिशत
नक्सल	18	40.909
भ्रष्टाचार	4	9.0909
हादसा	7	15.909
धोखाधड़ी	3	6.8182
आगजनी	2	4.5455
धमकी	1	2.2727
रिश्वतखोरी	3	6.8182
हाईजैक	2	4.5455
अपहरण	1	2.2727
फिरौती	1	2.2727
मिलावट	1	2.2727
नशाखोरी	1	2.2727

उपरोक्त सारणी रायपुर दूरदर्शन केंद्र द्वारा प्रसारित अपराध समाचारों का विवरण स्पष्ट करता है। सारणी से पता चलता है कि रायपुर दूरदर्शन केंद्र द्वारा प्रसारित अपराध समाचारों में नक्सल घटनाओं से संबंधित समाचारों को स्पष्ट तैर पर प्रमखता मिलती है। प्रसारित होने वाले अपराध समाचारों में 40 प्रतिशत समाचार सिर्फ नक्सली घटनाओं से संबंधित हैं। इसके बाद भ्रष्टाचार, हादसा, धोखाधड़ी जैसे अपराध समाचारों को प्रमुखता दी जाती है। एक तथ्य यह भी स्पष्ट रुप से दृष्टिगोचर होता है कि निजी चैनलों की तरह, इस चैनल द्वारा हत्या, बलात्कार, आत्महत्या, जैसी गंभीर प्रकृति के अपराध समाचारों को दिखाए जाने से परहेज किया जाता है। पूरी अध्ययन अवधि में इस चैनल पर हत्या, बलात्कार, देहव्यापार, आत्महत्या जैसे एक भी समाचार देखने को नहीं मिले।

निष्कर्ष

निष्कर्ष के तौर पर कहा जा सकता है कि निजी चैनलों की तुलना में दूरदर्शन द्वारा अपराध समाचारों का प्रसारण कम किया जाता है। निजी समाचार चैनल हिंसात्मक प्रकार के अपराध समाचारों को विशेष तौर पर प्रसारित करते हैं, जबकि दूरदर्शन चैनल ऐसा नहीं करता। रायपुर दूरदर्शन द्वारा भी नक्सली घटनाओं को प्रमुखता से प्रसारित किया जाता है। चैनल पर 40 फीसदी अपराध समाचार, नक्सली घटनाओं से संबंधित ही होते हैं। इसके बाद भ्रष्टाचार, हादसा और धोखाधड़ी जैसे समाचारों का स्थान आता है। एक स्पष्ट तथ्य ये भी प्राप्त हुआ कि रायपुर दूरदर्शन द्वारा हत्या, बलात्कार, देहव्यापार जैसे समाचारों का प्रसारण नहीं किया गया है।

चयनित चैनल आईबीसी 24 द्वारा प्रसारित समाचारों में 38 प्रतिशत समाचार अपराध समचार के होते हैं। चैनल द्वारा 42 प्रतिशत तक भी अपराध समाचारों का प्रसारण देखने को मिला। इस चैनल द्वारा प्रसारित अपराध समाचारों में सर्वाधिक समाचार (19 प्रतिशत) नक्सल घटनाओं के होते हैं। इसके बाद, इसके बाद भ्रष्टाचार, हत्या और हादसा से संबंधित समाचारों का स्थान आता है। हर माह चैनल पर 40 से 45 प्रकार के अपराध समाचार प्रसारित होते हैं।

चयनित तीनों चैनलों में ईटीवी मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ समाचार चैनल अपराध समचारों को प्रसारित करने में सबसे उपर है। इस चैनल द्वारा 37 से 52 प्रतिशत समाचार, अपराध समाचार के प्रसारित किए गए। ये तथ्य चौंकाने वाले हो सकते हैं कि चैनल पर प्रसारित समाचारों में आधे से ज्यादा समाचार अपराध समाचार के होते हैं। औसतन, इस चैनल पर प्रसारित होने वाले समाचारों में 42 प्रतिशत समाचार अपराध समाचार के होते हैं। ईटीवी मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ चैनल पर सबसे ज्यादा प्रकार के अपराध समाचारों का प्रसारण देखने को मिला। लेकिन चैनल किसी एक विशेष प्रकार के अपराध समाचार को प्रमुखता से दिखाता नजर नहीं आता। हर महीने अलग-अलग समाचारों को प्रमुखता मिली है। लेकिन शीर्ष 10 अपराध समाचारों में हत्या, बलात्कार, आत्महत्या, हादसा, भ्रष्टाचार, नक्सली घटनाएं, धोखाधड़ी, रिश्वतखोरी, आतंकवाद जैसे अपराध समाचारों की प्रमुख्ता स्पष्ट नजर आती है।

अब तक हुए अनेक शोध इस ओर इशारा करते हैं कि अपराध समाचारों का बच्चों और महिलाओं पर असर पड़ता है। अत समाचार चैनलों को हिंसात्मक और उद्दीप्त करने वाले समाचारों के प्रसारण पर नियंत्रण रखना चाहिए, ताकि समाज में लोगों पर विपरित असर ना पड़े।

संदर्भ

1. अल्तसुल जे.एच. (1984). "एजेंट्स ऑफ पावर: द रोल ऑफ न्यूज मीडिया इन ह्यूमन अफेएयर", न्यूयॉर्क, लांगमैन.
2. आनंद एम एवं विनिता कोहली, (2000).: "केबल वार्स", बिजनेसवर्ल्ड, 13 नवंबर 2000
3. एंडरसन, सी., बर्कोवित्ज एल., डोनरस्टेन, ई., ह्यूसमैन, एल. आर., जॉन्सन, जे., लिंज, डी. (2003).: "द इंफ्लूएंस ऑफ मीडिया वायलेंस ऑन यूथ", न्यूयॉर्क, साइकोलॉजिकल साईंस इन द पब्लिक इंट्रेस्ट,
4. एंडरसन, जे.ए. (1987): "कम्युनिकेशन रिसर्च- इश्यूज एंड मेथड्स", न्यूयॉर्क, मैक्ग्रा हिल्स पब्लिकेशन।
5. आर्या, सुनंदा (1989). : "मास मीडिया एंड पब्लिक ओपिनियन इन इंडिया", जयपुर, प्रिंटवेल पब्लिसर्स।
6. बिगई, शिर्ले (2003).: "मीडिया इंपैक्ट", लंदन, थॉमस वाड्सवर्ट।
7. ब्रैवले, ई.ए., (1983) मास मीडिया एंड ह्यूमन सर्विसेज, नई दिल्ली, सेज पब्लिकेशन।
8. बुशमैन, बी. एवं एंडरसन (2001).: "मीडिया वॉयलेंस एंड दी अमेरिकन पब्लिक", अमेस, डिपार्टमेंट ऑफ साइकोलॉजी, इओवा स्टेट यूनिवर्सिटी।